# राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा पटना में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शिविर में हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सहभागिता

## छह दिवसीय शिविर में राष्ट्रीय एकता, सदभावना का दिया संदेश

## डॉ. सुब्बाराव के नेतृत्व में बांग्लादेश, नेपाल सहित 15 राज्यों के 300 शिविरार्थी हुए शामिल

वर्धा, 3 फरवरी 2017: राष्ट्रीय एकता, भाइचारा और सदभावना का संदेश पूरे विश्व में पहुंचाने के उद्देश्य से गुरु गोविंद सिंह के 350 वें प्रकाश उत्सव के बहाने विगत 21 से 26 जनवरी के दौरान पटना, बिहार में राष्ट्रीय युवा योजना की ओर से अंतरराष्ट्रीय युवा शिविर का आयोजन किया गया। गांधी विचारक, समाजसेवी डॉ. एस. एन. सुब्बाराव के नेतृत्व में इस शिविर में बांग्लादेश एवं नेपाल के प्रतिनिधियों के साथ भारत के 15 राज्यों के 300 से अधिक प्रतिनिधि पटना में एकत्रित हुए। इस शिविर में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने किया। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क

अधिकारी बी. एस. मिरगे तथा शिक्षा विद्यापीठ की सहायक प्रोफेसर डॉ. शिवा शुक्ला के नेतृत्व में 9 विद्यार्थियों का दल पटना स्थित तख्त श्री पटना साहिब में आयोजित शिविर में शामिल हुआ।

राष्ट्रीय युवा योजना के युवा शिविरों के माध्यम से देश-दुनिया के लोगों को रचनात्मक आंदोलन की दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से तपस्वी डॉ. एस. एन. सुब्बाराव के नेतृत्व में देशभर में इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जाते हैं। पटना में हुए इस शिविर में राष्ट्रीय एकता, भाइचारा और सदभावना का संदेश देना प्रमुख विषय था। शिविर में विश्वविद्यलय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सुधीर कुमार, नेहा ओझा, स्नेहा कुमारी, चेतन बेले, अमित चामड़ीवाल, सुमेध नगराले, खुशबु साहु, प्रियंका ठाकुर एवं आशना सिद्दीकी सहभागी हुए। इन्होंने शिविर में आयोजित रक्तदान, स्वच्छता अभियान, सामाजिक सदभावना संदेश रैली, भाषा शिक्षण कक्षा, नृत्य प्रशिक्षण, भारत

की संतान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता की। भारत की संतान में सुमेध ने कर्नाटक का, चेतन बेले ने

कोंकण का तथा आशना सिद्दीकी ने महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व इन राज्यों की वेशभूषा में किया। महाराष्ट्र की सुप्रसिद्ध लोककला लावणी नृत्य की प्रस्तुति सुमेध नगराले, खुशबु साहु और प्रियंका ठाकुर ने कर सांस्कृतिक

कार्यक्रमों में खूब तालियाँ बटोरी और पटनावासियों का मंत्रमुग्ध कर दिया। 'जोडुया जोडुया, भारत देश जोडुया' तथा

'महाराष्ट्राचा एकच संदेश, एक असावा भारत देश' इन मराठी भाषा के नारों से उन्होंने महाराष्ट्र की पहचान और

सभ्यता को और विस्तारित किया। पटना से लौटने पर सभी को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र,

प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा तथा कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश

S.G.G.S.
HIGH
Patna, Bihar
देश की इज्जत

लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुप्रिया पाठक तथा रासेयो के पूर्व संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने बधाई दी।

शिविर के अंतर्गत सभी शिविरार्थियों को ऐतिहासिक राजगीर और नालंदा ले जाकर भारतीय प्राचीन संस्कृति, शिक्षा, सभ्यता और भारत की पहचान का दर्शन कराया गया। गांधी जी के 'गांव की ओर चलो' इस वचन को चरितार्थ करने की दृष्टि से शिविरार्थियों को पटना से दूर शाहजहांपुर और हरनौट ले जाकर वहाँ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से गांववासियों को भारत की भाषायी और सांस्कृतिक विविधता का परिचय कराया गया। वर्धा से गये शिविरार्थियों को डॉ. सुब्बाराव ने प्रमाण पत्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।